Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 11th | HISTORY

लेखन कला और शहरी जीवन



अध्याय-1 | भाग-5

एकदम BASIC से!

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

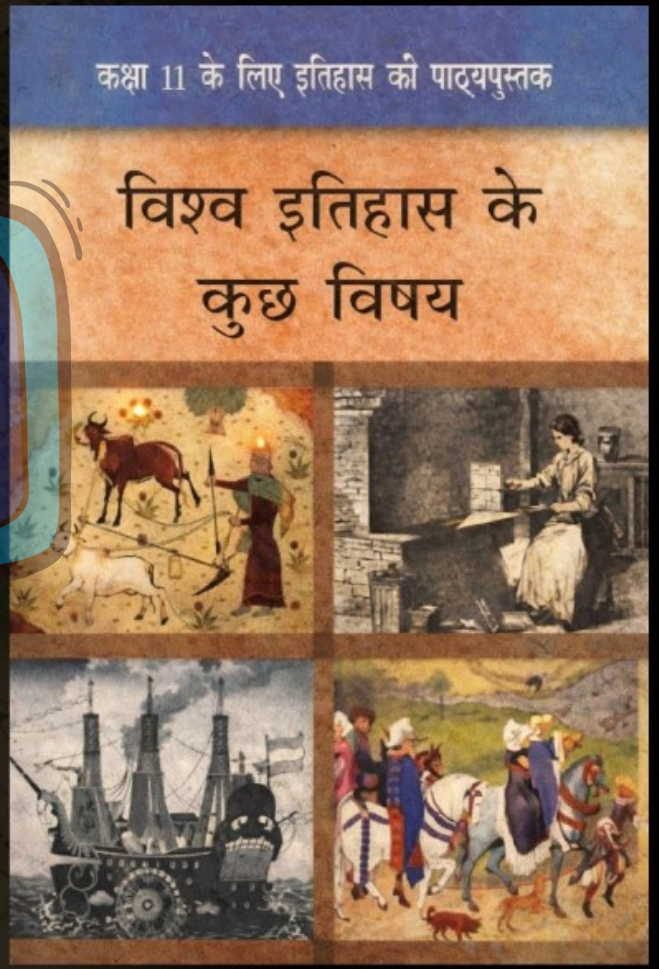
आज क्या पढ़ेंगे ?



1. लेखन प्रणाली
2. साक्षरता
3. लेखन का प्रयोग
4. द. मेसोपोटामिया में शहरीकरण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

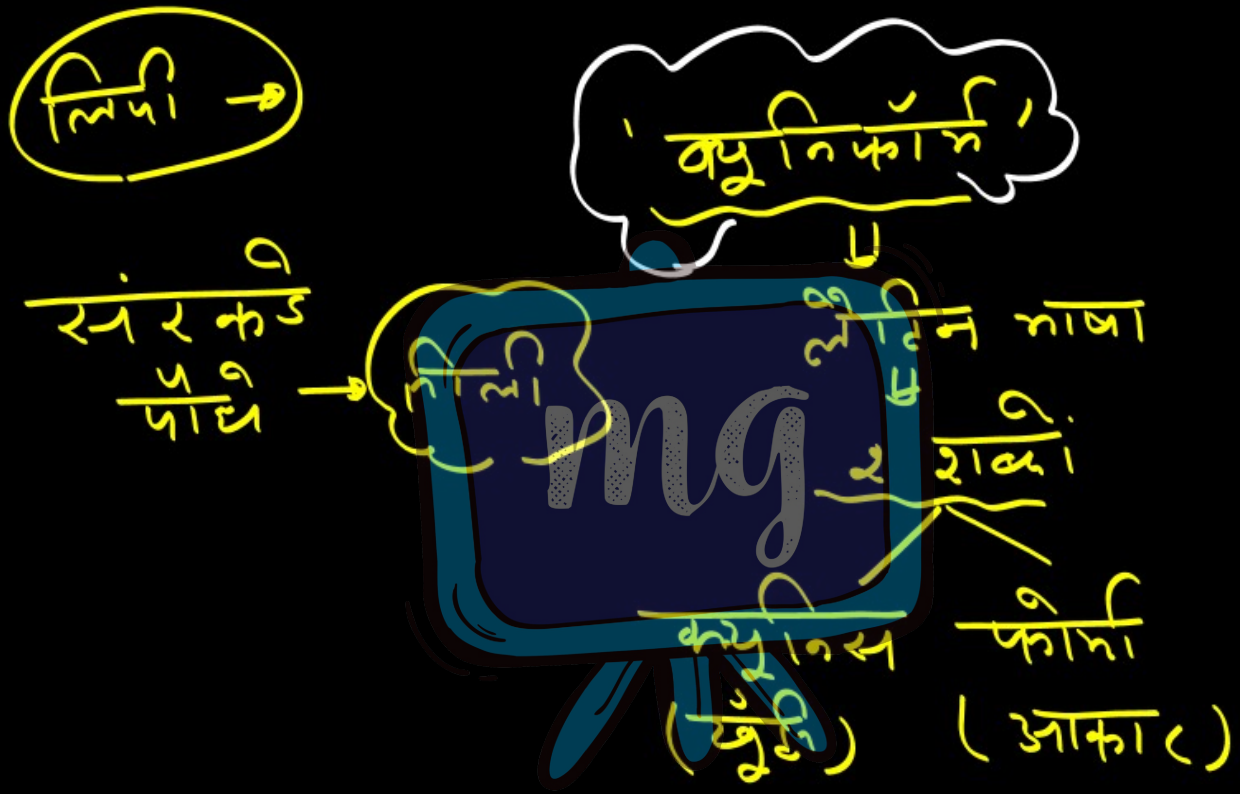
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शहरी जीवन की शुरूआत



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

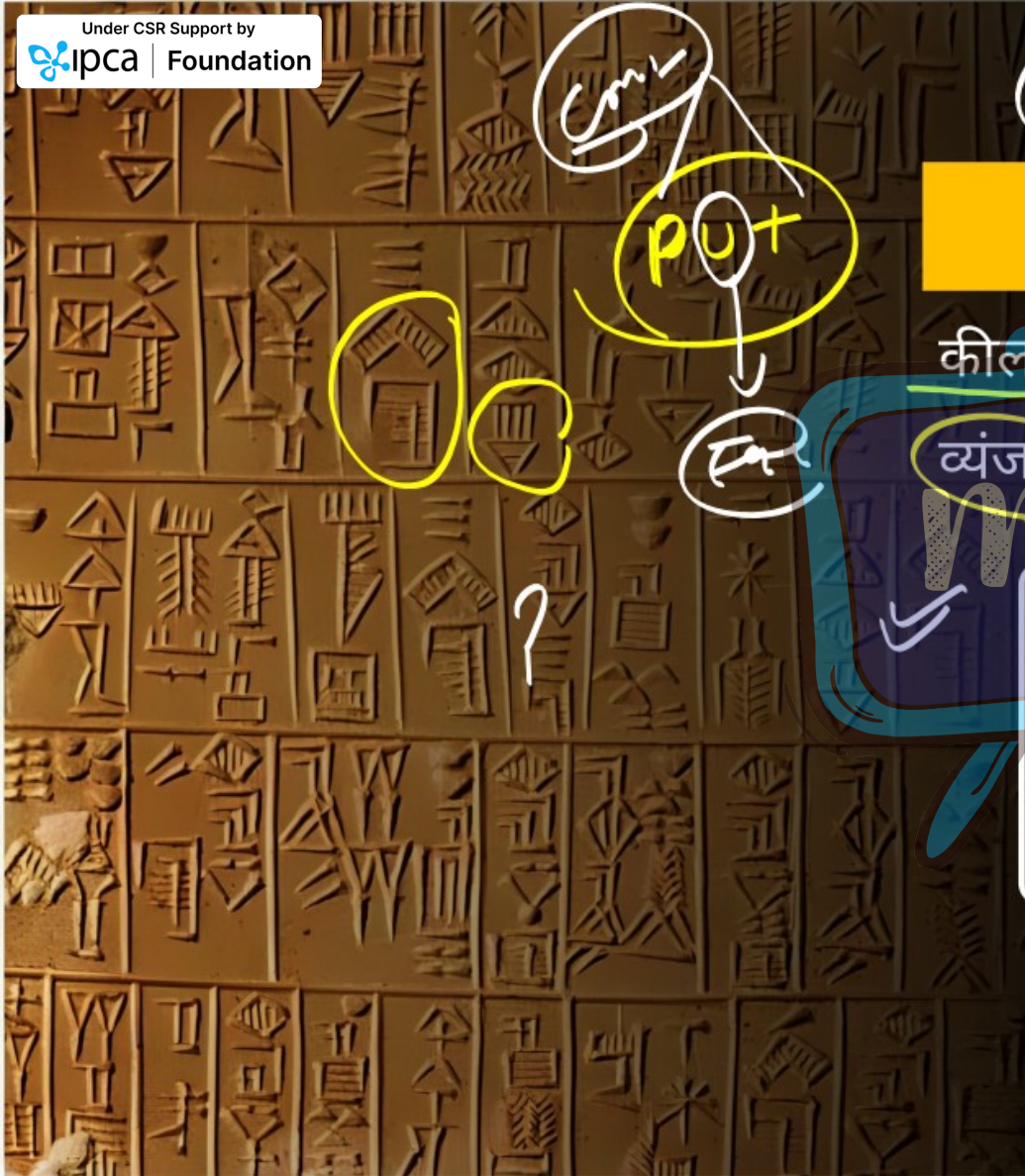
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- हिसाब-किताब रखने में
- शब्दकोश निर्माण
- भूमि हस्तानान्तरण को कानूनी मान्यता
- राजाओं के कार्यों का वर्णन
- आम जनता के लिए निर्मित कानून

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



लेखन प्रणाली

कीलाक्षर या कीलाकार चिह्न का प्रयोग एक स्वर या व्यंजन के लिए न होकर पूरे अक्षर के लिए होता था।

क्यूनीफार्म (कीलाकार) लातिनी शब्द क्यूनियस से बना है जिसका अर्थ 'खूँटी' और 'फोर्मा' जिसका अर्थ 'आकार' है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. कीलाकार चिह्न
2. स्वर, व्यंजन का प्रयोग नहीं होता
3. अक्षरों का प्रयोग
4. सैकड़ों चिह्न सीखना
5. लेखन कार्य में कुशलता।
6. कम समय में लिखना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

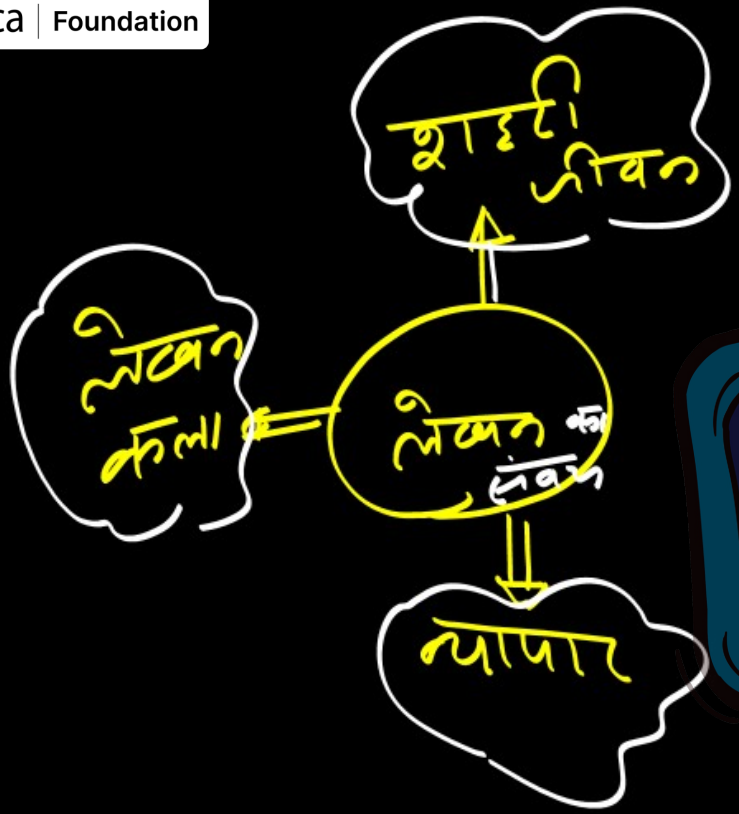
साक्षरता

- मेसोपोटामिया में बहुत कम लोग पढ़-लिख सकते थे।
- लेखन में प्रतीकों या चिह्नों की संख्या अधिक।
- अधिकतर लिखावट बोलने के तरीके को दर्शाती थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



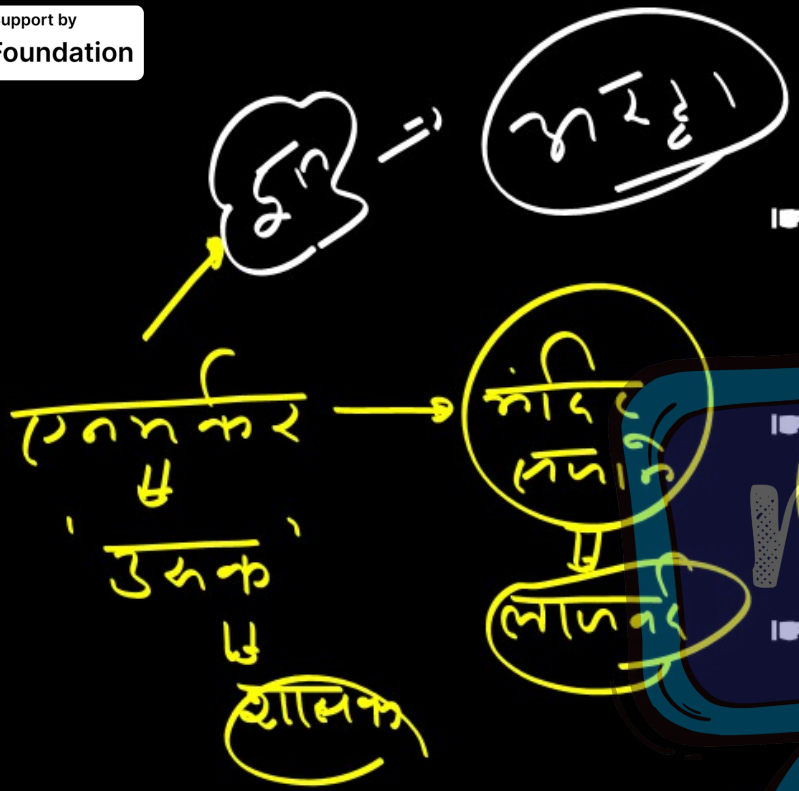
लेखन का प्रयोग

- शहरी जीवन, व्यापार और लेखन कला के बीच संबंधों को उरुक के एक प्राचीन शासक एनमर्कर के बारे में लिखे गये सुमेरियन महाकाव्य में स्पष्ट किया गया है।
- उरुक एक सुंदर शहर था जिसे केवल 'शहर' कहकर पुकारा जाता था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

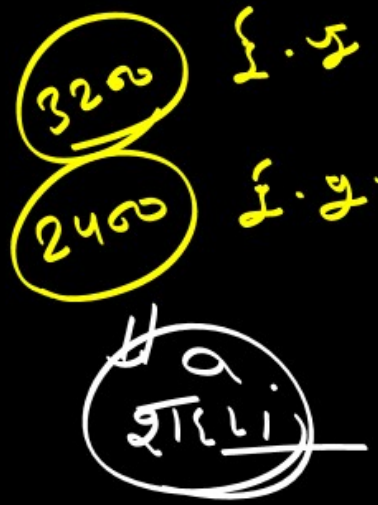
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- सुमेर के व्यापार की पहली घटना का सम्बन्ध एनमर्कर से है।
- एनमर्कर द्वारा मंदिर सजाने के लिए लाजवर्द व अन्य बहुमूल्य रत्न मँगवाए जाते थे।
- इस काम के लिए अरट्टा देश के शासक के पास दूत भेजा।
- मेसोपोटामिया में सर्वप्रथम राजा ने ही व्यापार और लेखन की व्यवस्था की थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



दक्षिणी मेसोपोटामिया का शहरीकरण

मंदिर और राजा

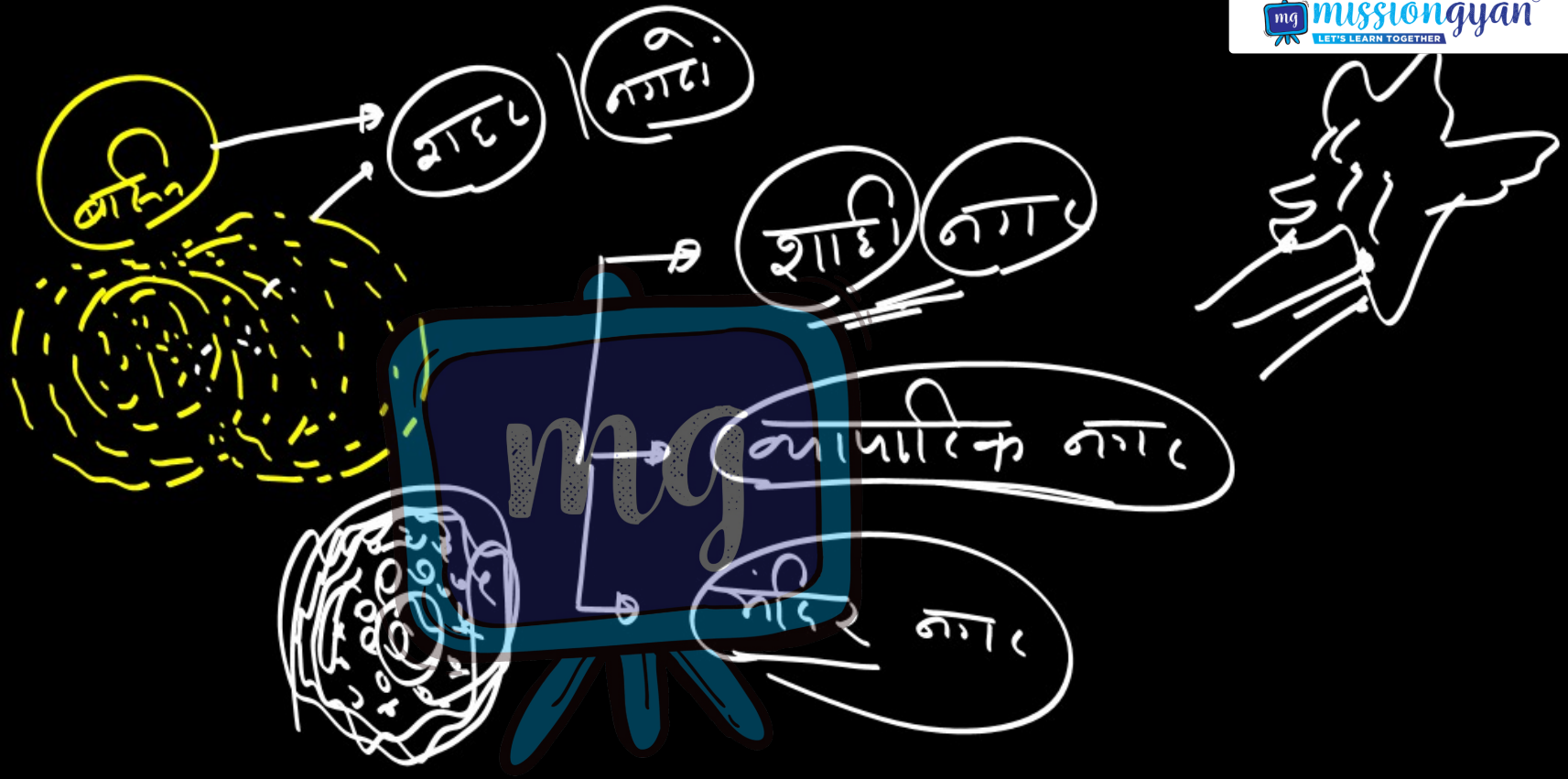
5000 ई.पू. से दक्षिणी मेसोपोटामिया में बस्तियों का विकास प्रारम्भ।

मेसोपोटामिया के प्राचीन शहरों के रूप

1. मंदिर शहर
2. व्यापारिक शहर
3. शाही शहर

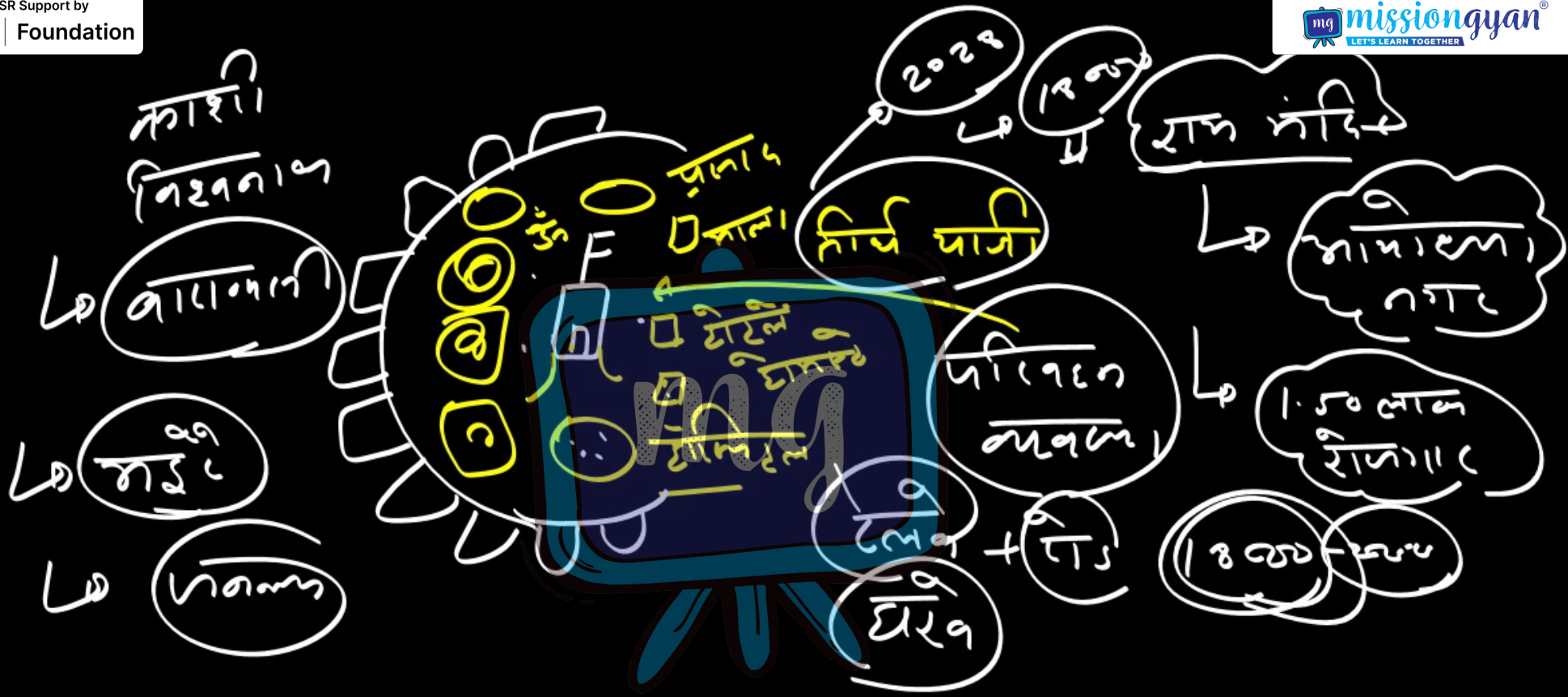
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



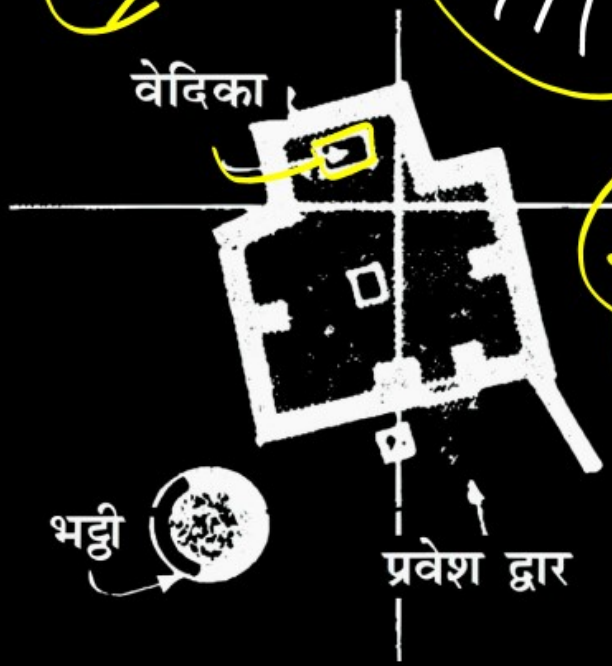
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मंदिर शहर

- मंदिरों का पुनर्निर्माण
- कच्ची ईंटों से निर्मित छोटा देवालय
- देवी-देवताओं के निवास स्थान
- खुले आँगन के चारों ओर कमरे निर्मित
- देवता पूजा का केन्द्र बिन्दु
- अन्न, दही व मछली का प्रयोग
- आराध्य देव स्वामी के रूप में

Under CSR Support by
ipca | Foundation





missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मंदिर स्थापत्य

1. मंदिरों का निर्माण ईंटों द्वारा।
2. इनमें खुले आँगन के चारों ओर कई कमरे बने होते थे।
3. प्रारम्भिक कुछ मंदिर घरों के समान।
4. मंदिर की विशेषता : बाहरी दीवारें कुछ खास अंतरालों के बाद भीतर और बाहर की ओर मुड़ी होती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मेसोपोटामिया में जमीन और पानी के लिए झगडे होते थे।
- युद्ध में विजयी नेता स्थायी नेता नहीं होता था।
- धीरे-धीरे विजेता मुखियाओं ने कीमती भेटों को देवताओं को अर्पित करना शुरू किया जिससे मंदिरों की सुंदरता बढ़ी।
- इससे राजा की ऊँचा स्थान मिला तथा समुदाय पर उसका पूर्ण नियंत्रण स्थापित हुआ।
- उरुक नगर 4200 ई.पू. से 400 ई. तक बराबर अस्तित्व में रहा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- युद्धबंदियो द्वारा मंदिर अथवा शासक का काम करना पड़ता था।
- काम के बदले अनाज।
- 3000 ई.पू. के आस-पास उरूक में तकनीकी प्रगति।
- ईटों के स्तम्भ तथा कुम्हार की चाक का निर्माण।
- स्लेट – पत्थर के ऐसे शिलापट्ट जिन पर अभिलेख उत्तीर्ण किये जाते है।